नागरिक मानते थे, वे 15 अगस्त को भारत के नागरिक नहीं रहे, करोड़ों की संख्या में नहीं रहे। एक दिन में नागरिकता, एक दिन में इस देश के साथ का रिश्ता टूट सकता है? क्या यह संभव है? मैं मानता हूं कि ये इतना आसान नहीं, इतना संभव भी नहीं। राजनैतिक दृष्टि से देश का विभाजन हुआ, परन्तु क्या उसके कारण इस देश के और, अपने आस-पड़ोस के देश के सांस्कृतिक जीवन में कोई परिवर्तन आया होगा। जो राष्ट्र को राजनैतिक दृष्टि से देखते आए हैं उनकी इच्छा शायद थोड़ी मात्रा में पूरी हुई, परन्तु जो राष्ट्र को संस्कृति की दृष्टि से देखते हैं वे तो यही मानकर चलते हैं कि आज भी हम सब एक हैं। हमें अलग करने की ताकत किसी में नहीं है। और लगता है कभी-कभी सांस्कृतिक बातों को लेकर चलने वालों पर राजनैतिक विचारधारा थोड़ा हावी हुई, प्रभावी हुई और इसके कारण देश का विभाजन हम सबको देखना पड़ा। कल्पना कीजिए कि जन्म हुआ तब मैं भारत का राष्ट्रीय नागरिक था। युवा होते-होते मैं पाकिस्तान का राष्ट्रीय नागरिक बन गया और प्रौढ़ावस्था में आते-आते मैं बांग्लादेश का राष्ट्रीय नागरिक बना। तो क्या राष्ट्रीयता ऐसे वर्षों-वर्षों में बदलती जाती है क्या? नागरिकता बदल सकती है, राष्ट्रीयता नहीं बदल सकती। नागरिकता तो बदल सकती है और इसलिए यह राज्य परिवर्तनीय है, पर राष्ट्र तो निरंतर चलता रहता है। अपने कई महापुरूषों ने कहा है। राजा आयेंगे, राजा जायेंगे। समाज चिरंतन चलता रहता है। समाज में कहीं परिवर्तन नहीं हैं, समाज, समाज रहता है। वह चिरंतन है, वह स्थाई है। राज्य अस्थिर कल्पना है। कभी उलट-पुलट होते हैं, बदलते हैं, नष्ट होते हैं, फिर पैदा होते हैं, फिर नष्ट होते हैं। यह प्रक्रिया चलती रहती है।

हम सब लोग मानते हैं कि लोग राष्ट्र-राज्य, इस कल्पना में अन्तर कर नहीं पाये और इसलिए राज्य बदलते हैं तो राष्ट्रीयताएं बदलती है। इसका विचार करना होगा। और इसलिए 1947 में कहा गया है कि एक नूतन राष्ट्र इस भूमि पर जन्म ले रहा है। नूतन राष्ट्र क्या होता है? हजारों वर्षों से यहां का समृद्ध जीवन चलता आया। उतार-चढ़ाव हमने जरूर देखे लेकिन कई बातों में परिवर्तन तो नहीं हुआ। आज भी हम थोड़ा विचार करें कि इन्टरनेट पर जाकर हम देख सकते हैं कि 'कल्चरल हिस्ट्री आफ पाकिस्तान' ऐसी एक वेबसाईट है। जो लिखता है कि पाकिस्तान तक्षशिला के प्रति गौरव का भाव व्यक्त करता है। व्याकरणकार पाणिनी ने इस भूमि पर जन्म लिया था, उसका वे वर्णन करते हैं। तो 'कल्चरल हिस्ट्री